

ASNA ARCHIVES

1.044



ASNA ARCHIVES

५
न्यासी॥ ॥ ततासिद्धिलक्ष्मीपूजा॥ न्यास॥ ॐ सकललक्षणसुखमधनी
अस्मांथरुद्र॥ त्यादि॥ कवाभं वक्रन्यासः॥ ॥ नवद्वारन्यासः॥
ॐ बुवा॥ ॐ हृदि॥ धा॥ नाशो॥ ॐ मुख॥ को वामनासांयूटं॥ ॐ द
कनासांयूटं॥ को वामनगं॥ ॐ दैवदकनगं॥ को वामक॥ ॐ को
दकक॥ ॐ नलि॥ ॐ मंगुक्ष॥ ॐ नितिनवद्वारन्यासः॥ ॥ तता
अभ्यासः॥ ॥ पूनः॥ ॐ नमः॥ ॐ यनमः॥ ॐ सिनीत्यादि॥ ॥
ततासामान्याद्येयपूजा॥ ॐ हृदयायनमः॥ ॐ कावगनगं॥ ॐ अस्माः

नी॥ आचारनादित्यानिमूजा॥ तज्जलनसर्वथाकृष्ण॥ ॥ तताविः
॥ ॐ आद्येयपूजा॥ को कावगर्हणिकालचक्रनमः॥ ॐ गूलार्द्धः
लिख॥ ॐ अग्निमण्डलायदणकलात्मननमः॥ ॐ यार्त्तसुखयज्जा
ॐ सूर्यमण्डलायदणकलात्मननमः॥ ॐ संधूय॥ ॐ सीदीया॥ ग
न्धकतीक्ष्ण॥ सी॥ ॐ अर्घ्येयामृत्तकनूरुस्वाहा॥ ॐ नमः॥ ॐ मंश
ममण्डलाय॥ ॐ कलात्मननमः॥ गजसूदायाय॥ ॐ पुणवपू
जा॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ पादकी॥ रुसकमलवनयू॥ आनन्दरुनवायसह

दामलवनवीयादुकां॥ नवा दानी मन्त्रा विद्या उरलि ३॥ अना
ध्यानि मूर्धा॥ तर्जुल नमस्त्रीयता न्रीया दली॥ ॥ तना य
मिस्त॥ आं दी को य न न वे ही म सं हं हं दं ४ सा हं हं स हं अ न नान न च
नाथ स्या या ॥ ॐ हं अ न नान न च नाथ स्या जी व ॐ हं ति स्ति न वों
दो आ अ न नान न च नाथ स्या सा हं रु म ना वृ द्वि वि ला हं का न या
॥ ॥ अ हं व क च अ जि द्वा या ॥ ॥ वि द स हं वि द्या नि ॐ हं ग ह्य
स र्व वि री ति हं रु स्वा हा ॥ ॐ ति या ॥ ॥ य सि द्वा ॥ ॥ स्व सि व सि गु वः

त र्थे ण पू ज्ञा ॥ ॐ य न म रु नू पू ज या तै मि त र्थे या मि ॥ ॐ य न म रु
गु नू पू ज या मि त र्थे या मि ॥ ॐ य न मा च र्ये गु नू पू ज या मि त र्थे या
मि ॥ ॐ वि द्या य सि द्वा य सा ना ध्या न न च नाथ सि द्वा गु नू पू ज या
मि त र्थे या मि ॥ ॐ स ज्ञा न न च नाथ गु नू पू ज या मि त र्थे या मि ॥ मूलः
न आत्मा पू ज्ञा ॥ ॥ तना य द्या म न पू ज्ञा ॥ य द्या स्ना य या दू कां ॥ ॥
म हा व का य ना स्ना य या दू कां ॥ ॥ का म हा ध्य त य ना स्ना य या दू कां ॥
तना आ क रु न ॥ या सा य ना य ना शु क्रा ख ग स्तु ख ग नू पि णी ॥ ॥

श्री श्री महाकाश

1.044

ASHA ARCHIVES

रमहामनु॥

पञ्चकयकृष्णतिदिक्पतीनां मूलुद्धरेनवनिवायलया नलष
तस्याद्द्वेलादणनकुदविदूमाशयदास्त्रितरिगवतीयनमाद
भर्यासिंरुकरकालकलिमदाडुनसतादीयागध्वनीमकवमान
वयकिवकां। गूलकिंभयनधुमनयपणायार्थवदाङ्गवालगि
याकियाणियदी। गियागलि। डंरुं सिद्धिकवालीदी। डंरुं
कीरुं नमः स्वाहा॥३॥ ननवलि॥ ॥ हास्वामनरुं सी डंरुं दी
लीनाकद्विसिंरुं डं॥१॥ ननवलि॥ ॥

डंरुं सिद्धिं डंरुं डंरुं कवालीरुं डंरुं डंरुं डंरुं डंरुं स्वाहा॥१॥ नन
वलि॥ ॥ ॥ डंरुं डंरुं डंरुं डंरुं डंरुं डंरुं डंरुं डंरुं डंरुं डंरुं
लसकेवणीधीमरुं तन्नाकालियथादयात। मयणी॥ ॥ नमः
मूलवलि॥ ॥ डंरुं डंरुं डंरुं नमः स्वाहा सर्वमहेयागिनीगुक्कददः
यसर्वसिद्धियदंरुं डंरुं डंरुं डंरुं डंरुं डंरुं डंरुं डंरुं डंरुं डंरुं
नृददिनिदिगानकनूस्वलिगुहानेयसीदमडंरुं डंरुं डंरुं डंरुं डंरुं
डंरुं नमः स्वाहा स्वाहा॥ ॥ नितकालिवलि॥ ॥ ॥ नमः कालि

रतनादुर्द्धयुजा॥ वालान्यासी॥ वैष्णो सोऽहं अहं ह्यन्यां नमः॥ नगत्वा
मनकनामन्यासः॥ ॥ ततः॥ अहं मन्यासी॥ वैष्णो सोऽहं ह्यदयाय नमः
॥ गिन गित्वा कवच नमः अहं नवकामना॥ नृतिन्यासः॥ ॥
चतुःशीलन्यासः॥ वैष्णो अग्निदत्तं कामगीर्या लथ धामिती गनाथा
त्तिकं धा कामध्वनी दीदवी नूदात्मना किं धाया दूवां॥ नाथा
दिया दानी॥ वैष्णो सूर्यचक्रा जालंधनयी॥ धाषष्ठी सनाथात्तिकं धा
वडाध्वनीदं वैष्णो विष्णुत्मा किं धाया दूवां॥ हृदय न नाथाः

[illegible]

सनाययादूकां ॥ ॥ आवा न ॥ महाययवनानकस्तु यनमानन्दः
नन्दितं ॥ जगत्प्रयदितं मातं चक्रदियनमश्वनि ॥ ॥ धान ॥ वा
लार्कमणुलारासाद्यादि ॥ मूलनगियांजलि ॥ ० ॥ वलि ॥ डं दं
दं ययालाया वलिं गृह्ण ॥ २ ॥ दं दं वदूकनाथय वलिं गृह्ण
॥ ३ ॥ दं दं गगलयतय वलिं गृह्ण ॥ ४ ॥ दं दं यायागिनीया वलिं गृह्ण
॥ ५ ॥ दं दं मूलवलि ॥ ६ ॥ दं दं वकाष्टरागदिविगगलतलत्यादि वलि
॥ निवोला ॥ श्री ॥ ७ ॥ दं दं निष्कलयादूकां ॥ ८ ॥ श्री ॥ ९ ॥ दं दं निष्कलयादूकां ॥ १० ॥

गृह्ण निष्कल नकानिष्कल मिथितयादूकां ॥ ११ ॥ श्री ॥ १२ ॥ दं दं निष्कल
॥ १३ ॥ श्री ॥ १४ ॥ दं दं निष्कल ॥ १५ ॥ श्री ॥ १६ ॥ दं दं निष्कल ॥ १७ ॥ श्री ॥ १८ ॥ दं दं निष्कल ॥ १९ ॥ श्री ॥ २० ॥ दं दं निष्कल ॥ २१ ॥ श्री ॥ २२ ॥ दं दं निष्कल ॥ २३ ॥ श्री ॥ २४ ॥ दं दं निष्कल ॥ २५ ॥ श्री ॥ २६ ॥ दं दं निष्कल ॥ २७ ॥ श्री ॥ २८ ॥ दं दं निष्कल ॥ २९ ॥ श्री ॥ ३० ॥ दं दं निष्कल ॥ ३१ ॥ श्री ॥ ३२ ॥ दं दं निष्कल ॥ ३३ ॥ श्री ॥ ३४ ॥ दं दं निष्कल ॥ ३५ ॥ श्री ॥ ३६ ॥ दं दं निष्कल ॥ ३७ ॥ श्री ॥ ३८ ॥ दं दं निष्कल ॥ ३९ ॥ श्री ॥ ४० ॥ दं दं निष्कल ॥ ४१ ॥ श्री ॥ ४२ ॥ दं दं निष्कल ॥ ४३ ॥ श्री ॥ ४४ ॥ दं दं निष्कल ॥ ४५ ॥ श्री ॥ ४६ ॥ दं दं निष्कल ॥ ४७ ॥ श्री ॥ ४८ ॥ दं दं निष्कल ॥ ४९ ॥ श्री ॥ ५० ॥ दं दं निष्कल ॥ ५१ ॥ श्री ॥ ५२ ॥ दं दं निष्कल ॥ ५३ ॥ श्री ॥ ५४ ॥ दं दं निष्कल ॥ ५५ ॥ श्री ॥ ५६ ॥ दं दं निष्कल ॥ ५७ ॥ श्री ॥ ५८ ॥ दं दं निष्कल ॥ ५९ ॥ श्री ॥ ६० ॥ दं दं निष्कल ॥ ६१ ॥ श्री ॥ ६२ ॥ दं दं निष्कल ॥ ६३ ॥ श्री ॥ ६४ ॥ दं दं निष्कल ॥ ६५ ॥ श्री ॥ ६६ ॥ दं दं निष्कल ॥ ६७ ॥ श्री ॥ ६८ ॥ दं दं निष्कल ॥ ६९ ॥ श्री ॥ ७० ॥ दं दं निष्कल ॥ ७१ ॥ श्री ॥ ७२ ॥ दं दं निष्कल ॥ ७३ ॥ श्री ॥ ७४ ॥ दं दं निष्कल ॥ ७५ ॥ श्री ॥ ७६ ॥ दं दं निष्कल ॥ ७७ ॥ श्री ॥ ७८ ॥ दं दं निष्कल ॥ ७९ ॥ श्री ॥ ८० ॥ दं दं निष्कल ॥ ८१ ॥ श्री ॥ ८२ ॥ दं दं निष्कल ॥ ८३ ॥ श्री ॥ ८४ ॥ दं दं निष्कल ॥ ८५ ॥ श्री ॥ ८६ ॥ दं दं निष्कल ॥ ८७ ॥ श्री ॥ ८८ ॥ दं दं निष्कल ॥ ८९ ॥ श्री ॥ ९० ॥ दं दं निष्कल ॥ ९१ ॥ श्री ॥ ९२ ॥ दं दं निष्कल ॥ ९३ ॥ श्री ॥ ९४ ॥ दं दं निष्कल ॥ ९५ ॥ श्री ॥ ९६ ॥ दं दं निष्कल ॥ ९७ ॥ श्री ॥ ९८ ॥ दं दं निष्कल ॥ ९९ ॥ श्री ॥ १०० ॥ दं दं निष्कल ॥

